भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1018
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 02 दिसंबर, 2024
11 अग्रहायण, 1946(शक)

बागपत, उत्तर प्रदेश में पुरातत्व स्थल

1018. डॉ. राजकुमार सांगवान:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बागपत जिले को उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण पुरातत्व स्थलों में शामिल किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या उक्त जिले में महत्वपूर्ण पुरातत्व स्थलों का सर्वेक्षण किया गया है;

(ग) यदि हां, तो उन स्थलों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार को बागपत जिले के सिनौली गांव में महत्वपूर्ण पुरातात्विक वस्तुओं के कोई साक्ष्य मिले हैं;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और क्या उपरोक्त वस्तुओं की सुरक्षा, संरक्षण और अनुसंधान के लिए कोई योजना बनाई गई है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) : बागपत जिले में स्थित तीन पुरातात्विक स्थलों नामतः बरनावा में लखा मंडप के नाम से ज्ञात टीला; कसूरी, बामनौली में प्राचीन टीला और सादिकपुर, सिनौली में उत्खनित स्थल और अवशेष को राष्ट्रीय महत्व के स्मारक के रूप में घोषित किया गया है।

(ख) और (ग): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने सिनौली में वर्ष 2005-07 और वर्ष 2017-18 के दौरान पुरातात्विक उत्खनन किए हैं।

(घ) से (च): वर्ष 2017-18 में सिनौली में किए गए उत्खनन के दौरान रथों के साक्ष्य के साथ महत्वपूर्ण पुरातात्विक वस्तुओं वाली कब्रगाहें मिली हैं।

स्थल की सुरक्षा के लिए इसे प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत राष्ट्रीय महत्व का घोषित किया गया है और उत्खनित अवशेषों का परिरक्षण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किया जा रहा है।

*****